willing. That is point number one. But they were not really being approached properly. Number two; our rules came in the way.

SHRI YASHWANT SINHA: Sir, I would dare say that much water has flown under the London bridge since 1990-91. Since then, I would like to assure the hon. Member, the stance has considerably changed. The financial sector has been opened up in the meanwhile. A lot more banks are doing business with the NRIs and the kind of restrictions which existed in 1991 are not in existence today. The whole scene is far more liberalised than it was then. The feeling. Sir, that their money was not safe in India, I think, that feeling has gone not only from the minds of the NRIs, but from the minds of the investors, in general, also. I think, India, today, can claim to be a more worthwhile destination of investments from abroad than most other countries. I dare say that the manner in which we have withstood the turmoil of South East Asia has gone a long way in improving our international image.

श्री संघ प्रिय गौतम : सभापति जी, बहुत छोटा – सा मेरा सवाल है । आप्रवासी भारतीयों ने जितना पूंजी निवेश भारत में किया है उसका प्रतिशत आधारभूत संरचना सेवा क्षेत्रों में कितना है ?

श्री यशंवत सिन्हा : इसके लिए सभापति महोदय, मैं यह सूचना उपलब्ध कराकर माननीय सदस्य को उपलब्ध करा दूंगा ।

Upgradation of ILS at IGI Airport, Delhi

*223. SHRIMATI VEENA VERMA: Will the Minister of CIVtL AVIATION be pleased to state:

(a) whether in view of the inordinate delays and freqoent cancellations of air flights from Indira Gandhi Airport at Delhi last year, it was considered necessary to provide it with state-of-the-art all Weather Category (CAT) III Instrument Landing System;

(b) if so, whether any project to provide this airport with such landing system was drawn out before the start of foggy season this year; and

(c) what progress has so far been made and whether CAT-IIt would be in place in time to avoid cancellation and inordinate delays in flights; if not, the extent and reasons for the delay?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI SHARAD YADAV): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) Installation of Category III Instrument Landing System (ILS) involves following items of works:

(i) Installation of Category III ILS equipment,

(ii) Provision of runway lights and appmach lighting system

(iii) Strengthing and resurfacing of main and secondary runways and parallel taxiway.

(iv) Removal of obstructions as required for Cat. III operations. Provision of runway light and approach lighting system includes laying of GI pipes for electric lighting, two layers of bituminus overlay, horizontal drilling below runway for cables, installation of inset fitting and augumentation of Power Supply.

The progress made so far, is given below:

(i) The ILS equipment conforming to Cat. III has already been installed.

(ii) Since there was a ban imposed by the Supreme Court of India on the installation of Hot Mix Plant in the National Capital Territory of Delhi, physical work could not be started in respect of runway resurfacing till July, 99. The Supreme Court gave its permission only on 27th July, 1999.

(iii) Hot Mix Plant has been installed for resurfacing of secondary runway. The mobilisation of Plant and Machinery is in progress for resurfacing of main runway and parallel taxiway.

(iv) Survey for identification of obstructions has been completed.

(v) The entire work is likely to be completed by September, 2000 and Cat. III ILS will be operational by November, 2000 after necessary trial and testing of the equipments.

श्रीमती वीणा वर्मा : सर, बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि कल ही इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक भयानक हादसे के दौरान एक बच्ची की मृत्यु हो गयी और आज यह प्रश्न इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर केटेगरी 3, आई0एल0एस0 लैडिंग सिस्टम – जीरो विजिबिलिटी के बारे में है ।

पिछले वर्ष घने कोहरे के कारण सर्दी में यात्रियों को बहुत असुविधा का सामना करना पड़ा । हमारी इंडियन एयरलाइन्स की बहुत-सी फ्लाइट्स कैन्सिल की गयी, डाइवर्ट की गयी या डिलेज हुए । आपने जो जवाब दिया है उसके अनुसार पिछले वर्ष इस दिक्कत के बाद योजना बनी । नवम्बर 2000 तक इसके शुरू होने की उम्मीद है । यह आपने इसमें कहा है । पहले तो मैं यह पूछना चाहती हूं कि हमारे पास जो टोटल 53 इंडियन एयरलाइन्स के एयरक्राफ्ट्स है – बोइंग 737, ए-300 और एयरबस 320 तो क्या सबमें यह केटेगरी 3 आई0एल0एस सिस्टम लगा दिया जा चुका है?

दूसरी चीज, इस वर्ष सर्दी के मौसम में – अब तो सर्दी आ ही गयी है – क्य ऐसा भी कोई अनुमान लगाया गया है कि कोहरा नही होगा या ये दिक्कतें पिछले वर्ष की तरह से नही आएंगी? यदि ऐसी कोई दिक्कत आई तो हमारी फ्लाइट्स के आल्टरनेटिव अरैंजमेंट्स क्या बनाए गए है? तीसरा, क्या केटेगरी 3, आई0एल0एस0 सिस्टम लगने के बाद तथा रनवें और सब कुछ तैयार होने के बाद क्या इस के लिए पायलट्स और क्रू मेंबर्स को ट्रेनिंग की आवश्यकता है? यदि हां तो कितने सेट्स क्रू मेंबर्स हम ने ट्रेंड कर दिए है और बाकी की ट्रेनिंग कब तक पूरी हो जाएगी?

श्री शरद यादव : सभापति जी, यह एक महत्वपूर्ण सवाल है जोकि कैट-1, कैट-2, कैट-3 से संबंधित है । माननीय सद्स्या ने कैट-3 के बाबत सवाल पूछा है । सभापति जी, मंत्रालय ने इस समस्या को बहुत गंभीरता से लिया है, लेकिन सब तरह के इंतजाम होने के बाद यह केस अदालत में चला गया और इस में 6 महीने का विलंब हुआ । जुलाई के अंतिम सप्ताह में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया और उस के बाद तेजी से **...(व्यवधान)...**

श्रीमती वीणा वर्मा : हमारे पास 53 एअरक्राफ्ट्स का एअर फ्लीट है, उस में कितने एअरक्राफ्टस में आप ने कैट-3 लगाया है?

श्री शरद यादव : सभापति जी, कैट-1, कैट-2, कैट-3 के अंतर्गत कैट-3 की व्यवस्था में विलम्ब इसलिए हुआ कि दिल्ली यूनियन टैरिटरी में पॉल्यूशन के चलते हॉट मिक्सिंग प्लांट्स पर रोक लगी हुई है । वह रोक हटाई गई । उस का फैसला जुलाई में आया और उस के बाद यह काम तेजी से आगे बढ़ा । अब रनवे पर काम करने से सारी फ्लाइट्स रूक सकती है, इसलिए इस में विलंब हुआ है । इस कारण हम ने कहा है कि जुलाई तक 8-10 महीने में यह

काम पूरा हो जाएगा । आप ने यह भी पूछा है कि कौन से जहाज इस फेसिलिटी का लाभ उठा सकेंगे । सभापति जी, ए-320 जहाज कैट-3 में लेंडिंग कर सकते है , लेकिन यह व्यवस्था ऐसी है कि पहले तो मेन-रेनवे पर इस व्यवस्था को लागू करना पड़ेगा । इस में लाइटिंग की और इंस्टूमेंट्स की व्यवस्था भी शामिल है । सभापति जी, इंस्टूमेंट्स हमारे पास है, लेकिन रनवे की फिर से कई बार कार्पेटिंग करनी पड़ेगी और ये सारी चीजें करने से काम में बाधा आएगी । इसलिए पहली जरूरत यह है कि जो रनवे है, टैक्सी रनवे और पैरालल-रनवे है – इन तीनों में इस व्यवस्था को लागू करने का काम करना पड़ेगा । फिर आप ने पायलट्स की ट्रेनिंग की बात भी कही है । सभापति जी, 52 पायलट्स की ट्रेनिंग हम ने कर दी है और 26 पायलट्स को ट्रेंड करने वाले है । सभापति जी, इस समय भी निचित तौर पर कैट-2 की व्यवस्था पूरी नही है और उस को लगभग लागू किया जा सकता है, पर्फेक्टली लागू नही किया जा सकता क्योंकि इस से सेक्युरिटी का बहुत महत्वपूर्ण सवाल जुड़ा हुआ है। इस तरह एक तो पायलट्स की ट्रेनिंग के साथ यह सवाल जुड़ा हुआ है, दूसरे ग्राउंड्स पर इस सिस्टम को लागू करने की जो व्यवस्था है, उस पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश हो गया था कि इस पर रोक लगा दो । इन सारी चीजों के चलते, इन बाधाओं को पार कर के हम यहां तक पहुंचे है और निश्चित तौर पर जैसा आप ने कहा ए-320 जहाज इस पर लेंड कर सकते है दूसरे जहाज लेंड नही कर सकते । .... *(Interruptions)...*

SHRIMATI VEENA VERMA: What are the alternative arrangements for this year's winter season because there is already a lot of *fogl...(Interruptions)...* It is just a waste of time... (Int*erruptions)....*

SHRI VAYALAR RAVI: Sir, the hon. Minister has not said anything about the accident which took place yesterday.,. *(Interruptions)...*

कुमारी सरोज खापर्डे : सभापति जी, कल इंदिरा गांधी एअरपोर्ट पर इतना बड़ा हादसा हो गया, उस के बारे में मंत्री जी कुछ मेंशन करते तो हमें तसल्ली होती । महोदय, यह तो कोई तरीका नही हुआ कि आप जवाब देते समय उस हादसे का उल्लेख तक न करें, उस के बारे में जानकारी ही न दें ।

MR. CHAIRMAN: Hon. Member should be allowed to put her second supplementary...*(Interruptions)...*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, Veena Vermaji has made a *mention...(Interruptions)...*

SHRIMATI VEENA VERMA: Sir, my first supplementary has not been answered *completely...(Interruptions)...*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, Veena Vermaji has mentioned in *supplementary...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: She will hereself put her *supplementary...(Interruptions)...I* will call you next time.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Veena Vermaji made a mention of this accident. *...(Interruptions)...* I may be allowed to say something in this regard. *...(Interruptions)...* We are agitated because *...(■Interruptions)...*

श्री शरद यादव : सभापति जी, मैं इन दोनों ही सवाल का जवाब दे सकता हूं, मुझे कोई दिक्कत नही है । **...(व्यवधान)...**

SHRI MD. SALIM: There should be a statement by the Minister regarding the accident which took place yesterday. *...(Interruptions)...*

श्री शरद यादव : सभापति जी, यदि आप थोडी सी अनुमति दें, **...(व्यवधान)...**

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: We are agitated because the Minister has not expressed any regret. *...(Interruptions)...* He did not mention even a single word about this accident. *...(Interruptions)...* Sir, a child thed in this accident. *... (Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Shrimati Veena Verma. *...(Interruptions)...*

SHRIMATI VEENA VERMA: Sir. the Minister wants to say something.

श्रीमती सरला माहेश्वरी : गवर्नमेंट क्या कर रही है, कुछ तो बताना चाहिए । **...(व्यवधान)...**

SHRIMATI KAMLA SINHA: Sir, this issue should be raised during the Zero Hour. *...(Interruptions)...* Sir, I am on a point of order *...(Interruptions)...* This issue cannot be raised during the Question Hour *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Sit down, please *...(Interruptions)...*

श्री शरद यादव : सभापति जी, माननीय सदस्या ने जो सवाल किया था मैं उसका जवाब दे रहा था, लेकिन इसका मतलब यह नही कि इस ओर ध्यान नही है। पिछली रात और दिन पूरा जागकर मैं ...(**व्यवधान**)... आप सुनेंगे नही, तो कैसे चलेगा। You do not want to listen to me ...(Interruptions)... सभापति जी, जो सवाल माननीय सदस्यों ने पूछा है, मैं निश्चित तौर पर उस सवाल का साथ-साथ जवाब दे सकता था, लेकिन मैं नही चाहता था क्योंकि यह बहुत बड़ा सवाल है और इस सवाल पर मुझे विस्तार से कहना पड़ेगा, जो कल की घटना का है। निश्चित तौर पर जो कल की घटना है, वह एस्केलेटर पहली बार देश में, इसके पहले कभी नही, ओटिस कंपनी का यह एस्केलेटर है, इससे पहली बार एक ऐसी भयानक, अफसोसनाक और तकलीफदेह घटना हुई है। ...(**व्यवधान**)... जैसे ही, सर, हमको पता चला, हम वहां पहुंचे और ओन द स्पोट हमने इन्क्वायरी कंस्टीटयूट की और कहा कि 48 घंटे में इसकी रिपोर्ट चाहिए कि किनकी गलती है,किस आदमी की गलती है, किस की नही है? जो बच्ची है उसकी मां से जाकर मैं मिला और उसमें जो घायल हुए हैं...(**व्यवधान**)...

कुमारी सरोज खापर्डे : यह लाइसेन्स आपने किसको दिया था, उसका भी नाम यहां आना चाहिए।

श्री शरद यादव : सभापति जी,मैं इस सवाल पर जानता हूं कि सदन दुखित है, व्यथित है और मैं खुद इसके साथ कल से ही लगा हुआ हूं। ...(**व्यवधान**)

कुमारी सरोज खापर्डे : सर, आप दुख व्यक्त कर रहे है, लेकिन सारा सदन यह जानना चाहता है कि आप सूओ-मोटो स्टेटमेंट कब करेंगे? जरा इसके बारे में सदन के सामने जानकारी दे दें कि कब तक आप इसे देखेंगे। हम लोग इस सवाल को आपके साथ नही जोड़ना चाहते। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN; I think the hon. Members are really very much concerned about what happened. So, it would be better, I suggest to the hon. Minister that he makes a statement about it today or tomorrow, whenever it is possible. ...*(Interruptions)*...

श्री शरद यादव : सर, मैं आपकी व्यवस्था को मानता हूं। ...(**व्यवधान**)...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, I have given notice on this issue and you have been kind enough to admit it for today. ... *(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: I agree with you. ...*(Interruptions)*,. It is already there. ...*(Interruptions)*...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, cutting across party lines, the entire House is agitated over this issue. ...*(Interruptions)*... Everybody is worried because it will have also a telling effect on our

country's image. So, I request the Minister to be present when a Special Mention in this regard is taken up so that hon. Members can participate and make concrete suggestions. ...*(Interruptions)*... Some action has to be taken against the persons concerned immediately. ...*(Interruptions)*... Nobody can blame the Minister. ... *(Interruptions)*...

श्री खान गुफ़रान ज़ाहिदी : सभापति जी, आपके फैसले के बाद भी खड़े हो रहे है। **...(व्यवधान)**

श्री एम0 वेंकैया नायडु : मेरी रिक्वेस्ट यह होगी कि जो मैंने नोटिस दिया है इस पर, मंत्री जी मौजूद रहें तो अच्छा होगा। **...(व्यवधान)...**

THE LEADER OF THE OPPOSITION (DR. MANMOHAN SINGH): The safety standards and their deterioration not only at our airports but also in the railway system of our country are a matter of deep public concern. They are causing anxiety to large sections of our population. I think there should be a structured debate on this issue. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Utilisation of Funds Allocated to the State Governments

*224. SHRI V.P. DURAISAMY: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Central Government are allocating funds to the State Governments for the purpose of building roads, schools and providing drinking water facilities to the poor;

(b) how many State Governments have diverted funds from the above mentioned works to other works;

(c) how many State Government have utilised the funds genuinely for the above works and asked for more funds to implement the above works vigorously; and

(d) whether there was any demand from the Tamil Nadu Govemment in this connection; and if so, what was the reaction of the Central Government thereto?